शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र
दिनांक - 13-10-2020, वर्ग - BA भाग I

1938-39 को आधार वर्ष मानते हुए औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक 1943 में 239 हो गया। टिकाऊ विनिर्मित माल के उत्पादन का सूचकांक 360 हो गया। यंत्रो का उत्पादन बढ़कर चौगुना तथा परिवहन के साज-सामान का उत्पादन बढ़कर सात गुना हो गया।

अमेरिकी उद्योगों की वर्तमान स्थिति

इस समय अमेरिका विश्व का सबसे बड़ा औद्योगिक राष्ट्र है। इस्पात, अल्यूमीनियम, कोयला और पेट्रोलियम, (मोटे आमा (रूत वस्तुएँ)) के उत्पादन में इसका विश्व में प्रथम स्थान है। 1983 में इसने संसार के कुल इस्पात उत्पादन का 12.6 प्रतिशत, अल्यूमीनियम उत्पादन का 36.8 प्रतिशत कोयला उत्पादन का 24.9 प्रतिशत तथा पेट्रोलियम उत्पादन का 17 प्रतिशत भाग उत्पन्न किया। अन्य औद्योगिक वस्तुओं के उत्पादन में भी अमेरिका का

विश्व में प्रमुख स्थान है। इसके विनिर्माण उद्योग में लगभग 1.6 करोड़ व्यक्ति संलग्न हैं। सम्पूर्ण औद्योगिक क्षेत्र का अमेरिका के राष्ट्रीय आय में अंशदान 33 प्रतिशत है।

अमेरिकी औद्योगिक विकास की विशेषतायें —

संयुक्त राज्य अमेरिका के औद्योगिक विकास की प्रमुख विशेषतायें निम्न प्रकार हैं —

① विशाल आकार की औद्योगिक इकाईयाँ — व्यावसायिक संगठन के रूप में सीमित पूंजी कम्पनियों की सफलता, परिवहन क्रांति के फलस्वरूप बाजार का क्षेत्र विस्तार, घरेलू और विदेशी प्रतियोगिकता में वृद्धि आदि कारणों से अमेरिका में विशाल आकार वाली औद्योगिक इकाईयों की स्थापना को प्रोत्साहन मिला है। फोकनर के अनुसार, अमेरिका में लघु आकार वाली औद्योगिक इकाईयों का अनुपात 1914 में 49 प्रतिशत थे

घटकर 1929 में 33 प्रतिशत रह गयी थी। तीसा के महामंदी तथा उसके बाद लघु इकाइयों का अनुपात और भी कम हो गया।

② कम्पनियों का विकास ⇒ गृहयुद्ध के बाद अमेरिका में व्यक्तिगत उद्यमियों का स्थान कम्पनियों और निगमों ने ग्रहण कर लिया। प्रथम महायुद्ध की समाप्ति पर अमेरिका में 87 प्रतिशत औद्योगिक उत्पादन कम्पनियों द्वारा किया जाता था। यद्यपि 'तीसा की महामन्दी' के समय कम्पनी व्यवस्था के अनेक दोष प्रकट हुए थे, किन्तु आज भी अमेरिका में व्यवसायिक संगठन का 'कम्पनी' ~~स्वरूप~~ स्वरूप अधिक प्रचलित है; क्योंकि इसके अन्तर्गत बड़ी मात्रा में पूँजी का एकीकरण संभव होता है।

③ संयोजन आंदोलन ⇒ अमेरिका में संयोजन आंदोलन की शुरुआत 1830 में हुई थी, किन्तु गृह-युद्ध के पश्चात संयोजन की प्रवृति अधिक बलवती हो गई। परिणामतः द्वितीय महायुद्ध की समाप्ति तक 250

बड़ी-बड़ी कम्पनियों का दो-तिहाई औद्योगिक उत्पादन पर नियंत्रण स्थापित हो गया। अमेरिका में संयोजन के पाँच स्वरूप अधिक प्रचलित हैं — संयुक्त (Pool), प्रन्यास, सूत्रधारी कम्पनियाँ, विलयन (Merger) और सामूहिक हित (Community of Interest)

(4) श्रम-बचत मशीनों का अधिक प्रयोग — अमेरिका में श्रम की अपेक्षा पूँजी की प्रचुरता है। अतः अमेरिकी उद्योग में श्रम-बचत मशीनों का अधिकाधिक प्रयोग प्रचलित है। अमेरिकी वस्तुएँ मुख्यतः यन्त्र-निर्मित होती हैं, हस्त-निर्मित नहीं।

(5) मशीन का प्रमापीकरण — अमेरिका में मशीनों तथा उनके विभिन्न पुर्जों का प्रमापीकरण शुरू से ही प्रचलित है। प्रमापीकरण (Standardization) की प्रक्रिया के अन्तर्गत सर्वप्रथम पहले पुर्जे बनाए जाते हैं और बाद में उन्हें जोड़कर मशीन का रूप दे दिया जाता है।